राजस्थान सामान्य ज्ञान

जनजातियाँ

कला व संस्कृति

हस्तलिखित नोटस

Rajasthan GK

5000 प्रश्न

टेस्ट देकर पढें और तैयारी को नई दिशा दें

टॉप 1000 प्रश्न

ई - बुक सामान्य ज्ञान

डाउनलोड करलो

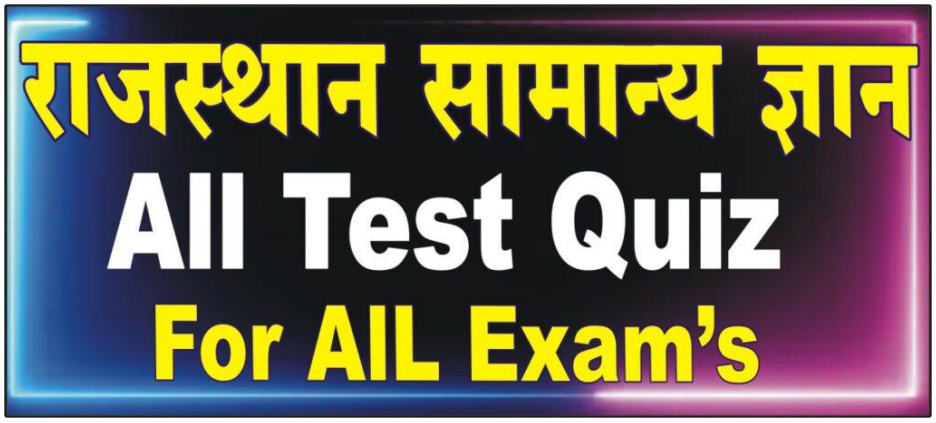

राजस्थान सामान्य ज्ञान
All Test Quiz
For AlL Exam's

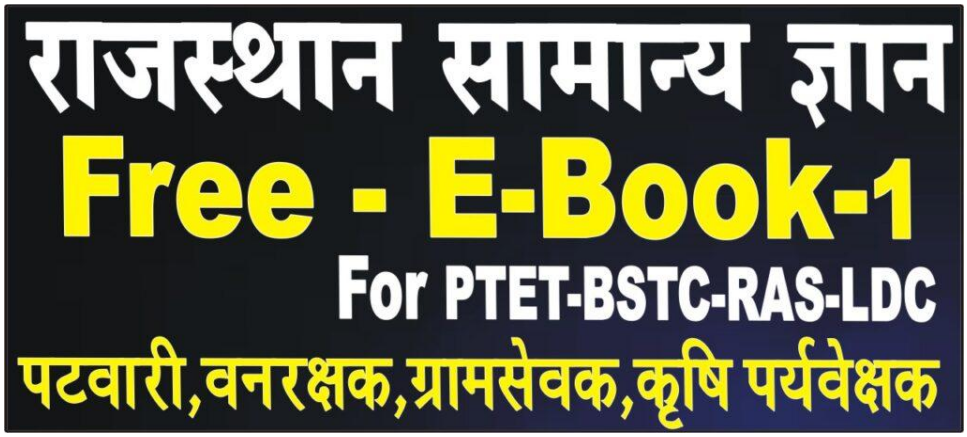

राजस्थान सामान्य ज्ञान
Free - E-Book-1
For PTET-BSTC-RAS-LDC
पटवारी,वनरक्षक,ग्रामसेवक,कृषि पर्यवेक्षक

सम्पूर्ण नोट्स PDF
विषयवार ई–बुक
सभी PDF यहां से डाउनलोड करें

सामान्य विज्ञान
500 - Questions
PDF डाउनलोड

राजस्थान की प्रमुख जनजातियां

→ जनगणना 2011 अनुसार जनजाति आबादी में भारत में राजस्थान का चौथा स्थान है।
अर्थात देश में सर्वाधिक जनजातियों की संख्या = मध्यप्रदेश एवं न्यूनतम जनजातियां हरियाणा में निवास करती है।

→ 2011 जनगणना अनुसार सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या उदयपुर - 15.25.289, बांसवाड़ा - 1372999
तो न्यूनतम जनसंख्या बीकानेर - 7749, नागौर - 10518

→ राज्य का दक्षिणी पहाड़ी क्षेत्र जनजाति बाहुल क्षेत्र है।
इन क्षेत्र में - उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, सिरोही, चित्तौड़गढ़

→ राज्य में कुल सम्भवतः 12 प्रकार की जनजाति पाई जाती मुख्य: मीणा, भील, गरासिया, सहरिया, कथौड़ी, डामोर सांसी, कंजर, अन्य - धानका, कोकना - कोकनी, कोली ढोर नायकड़ा - नायका, पटेलिया व भील-मीणा है।

→ मीणा जनजाति ←

- राजस्थान में सर्वाधिक निवास: उदयपुर व जयपुर
- सबसे शिक्षित जनजाति, सबसे बड़ी जनजाति
- जनसंख्या की दृष्टि से जनजातियों में इसका प्रथम स्थान है
- मीणा का शब्दिक अर्थ - मछली / मत्स्य है।
  ये स्वयं की उत्पति भगवान मीन से मानते है।
- इनका गुरु: मुनि मगर सागर, देवता: बुझ
- ग्रन्थ: मीनपुराण, पंचायत का मुखिया - पेटेल
- इष्टदेव = (गोडवाड़ के मीणाओं के) भूरिया बाबा / गौतमेश्वर बाबा
  मीणा इनकी कभी झूठी कसम नहीं खाते। मन्दिर - चोटीला (सिरोही)
  13 अप्रैल से 15 अप्रैल तक हर वर्ष मेला भरता है।
  इनका दूसरा लोकतीर्थ अरनोद (प्रतापगढ़) वहां लक्की मेला भरता।

→ मीणाओं का प्रयागराज : रामेश्वर घाट (सवाईमाधोपुर)
जहां चम्बल, सीप, बनास का संगम स्थल है।

→ इनकी आराध्य देवी = बाणमाता, कुलदेवी = जीणमाता
→ मीणा मुख्यत दुर्गा । शक्ति के उपासक हैं।
→ लेकिन भरतपुर के मीणा दुर्गा-पूजक हैं।
→ करौली में कैलादेवी मन्दिर पर मेले (चैत्र शुक्ल अष्टमी)
के अवसर पर मीणा द्वारा लांगुरिया नृत्य किया जाता है।

→ मीणाओं के घर को टापरा कहते हैं तो बड़ी पंचायत
को चौरासी कहा जाता है।
→ विवाह के तीन प्रकार : ब्रह्म, गन्धर्व, राक्षस
→ मीणा के दो प्रकार - जमींदार मीणा (पुरानेवासी) - चौकीदार (नयावासी)

→ इनमें तलाक को "छेड़ा फाड़ना" कहते हैं।
→ नाता प्रथा एवं आटा-साटा विवाह भी प्रचलित है।
→ मित्र सहेलियों का समूह गोटन कहलाता है।
→ इस जनजाति में मोरनी मांडणा का प्रचलन है।

→ मीणा लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन कृषि है।
→ इसमें बटाईदार कृषि की व्यवस्था है जिनमें
छोटाबट, हाटीबट, हांसिलबट, बटाईदार कृषि के प्रकार हैं।

→ बाल विवाह का प्रचलन है वयस्क होने पर जब
वधू को घर लाया जाता है उस रस्म को गौना कहा जाता।

→ वैवाहिक सम्बधों मे मध्यस्थता रखने वाले को बदालियां
कहते हैं।
→ स्त्रियों की वेशभूषा = लाल रंग की लूगड़ी, घाघरा, कांचली, चूड़ा
→ पुरुष जड़ियों वाला साफा मुख्यत: पहनते हैं।

भील - जनजाति

- सर्वाधिक: बांसवाड़ एवं डुंगरपुर, अन्य - उदयपुर, चित्तौड़गढ़
- राज्य की सबसे प्राचीन जनजाति एवं दूसरी बड़ी
- भील की उत्पति द्रविड़ शब्द 'वील" से हुई।
  अर्थात् अर्थात् तीर चलाने वाला
- भील अपने आप को महादेव का वंशज मानते है।
- सो भीलो को कर्नल जेम्स टॉड ने वनपुत्र कहा।

भीलो की वैवाहिक देवी = भराड़ी, पथरक्षक = पथवारी
घर को कू, तथा घर के मुखिया को = गमेती
मोहल्ला = फलां, गांव = पाल, पाल का मुखिया = पालवी

- कन्या का मूल्य जो वर-पक्ष देता है - "दापा" कहलाता है।
- भीलो का रणघोष - फाइरे-फाइरे होता है।
- पवित्र एवं भीलो का कल्पवृक्ष = महुआ
- मृत्युभोज = काहटा एवं उपचार की विधि - डाम

- भीलो द्वारा पहाड़ी ढालों पर वनो को जलाकर की जाने वाली खेती को चिमाता कहते है।
  जबकि मैदानी भागो मे की जाने वाली खेती को दजिया खेती कहा जाता है।

- भीलो का सवा माह तक चलने वाला नृत्य गवरी है। (राई)
  भीलो के अन्य: नेजा, गैर, हाथीमन्ना, युद्ध, द्विचकी, घूमरा, रमणी
  प्रसिद्ध लोक गीत: हमसीढ़ो तो लोक नाट्य: गवरी / राई
- बेणेश्वर मेला - डुंगरपुर जिसे आदिवासियों का कुंभ कहा जाता
- घोटिया अम्बा मेला (बांसवाड़) भील जाति से सम्बधित है।
- सुबटिया लोक गीत का सम्बध भील स्त्री है।
- राजस्थान मे उँदरिया पथ भीलों में प्रचलित है।
- सोम, जाखम, माही का संगम, प्रतिवर्ष माघ पूर्णिमा को मेला

⇒ Imp. मेवाड़ के राज चिन्ह जो चित्तौड़गढ़ दुर्ग में है उसमें एक ओर राजपूत राजा और दूसरी ओर भील राजा "पूंजा" का चित्र अंकित है।

= वस्त्रो के आधार पर
पुरुष सिर पर लाल, पीला, केसरिया फेटा (साफा)
बदन पर अंगरखी, कमीज, कुर्ता एवं घुटनो तक ढेपाडा (धोती)
भील महिला: लुंगडा, कांचली, कब्जा, घाघरा, पेटीकोट
कटक इत्यादि एवं, चूनड., महिलाओं मे कछाबु, ओढ़निया प्रसिद्ध

⇒ भीलो में बाल विवाह प्रचलित नही है।
देवर विवाह: बडे भाई की मृत्यु पर उसकी पत्नि से छोटा भाई विवाह करता है।
लेकिन छोटे भाई की पत्नि से बडा भाई विवाह नही करते।

⇒ भगोरिया नामक त्योहार में युवक-युवतियां अपना जीवन साथी चुनते
⇒ भीलो में हाथीवेंडो वैवाहिक रस्म प्रचलित है।
⇒ गांव में बीमारी या अमांगलिक संदेश - देवाल ढोल एवं मांगलिक कार्यो का नाचनिया ढोल कहलाता है।

⇒ केसरियानाथ / ऋषभदेव (धुलेव-उदयपुर) के चढ़ी केसर का पानी पीकर कभी झूठ नही बोलते है (मानना है)

⇒ 1883 ई. में गोविंद गिरि के द्वारा भीलों के उत्थान के लिए सिरोही में सम्पसभा की स्थापना की।
⇒ भीलों मे जनचेतना जाग्रत के लिए 1920 में मोतीलाल तेजावत ने मातृकुंडिया (चित्तौड़गढ़) में एकी आन्दोलन चलाया (वनवासी संघ)
⇒ भीलो की भाषा भीलोड़ी कहलाती है जो बागड़ी की उपबोली है।
⇒ भील पाडा सुनकर प्रसन्न एवं कांडी सुनकर को गाली देते हैं

- Rajasthan Gk PDF– क्लिक करे
- Hindi Test Quiz – क्लिक करे
- HINDI NOTES - क्लिक करे
- RAJASTHAN GK NOTES – क्लिक करे

- INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें
- RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे
- GENERAL SCIENCE– क्लिक करें
- HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे

गरासिया जनजाति

- मीणा व भील जनजाति के बाद राज्य की तीसरी प्रमुख एवं बड़ी जनजाति है।
- सर्वाधिक = आबू रोड (सिरोही) उदयपुर में निवास
- टॉड के अनुसार इनकी उत्पति ग्वास शब्द से हुई - जिसका अर्थ सर्वेन्ट अर्थात नौकर होता है।

→ पवित्र स्थान - नक्की झील, माउंट आबू (सिरोही)
- घोड़ा बावजी - प्रमुख देवता, भाखर बावजी भी इन्हीं से जुड़े है
» सामूहिक कृषि का रूप हारी-भावरी कृषि है।

» एकमात्र जनजाति जिसमें सर्वाधिक "लवमैरिज / प्रेमविवाह होते
» जनजाति के लोग अपना जीवनसाथी मेले में चुनते है।
» विवाह के प्रकार: मौर बंधिया विवाह, आरा-सारा विवाह पहरावना विवाह, ताणना विवाह, पलयान विवाह

» घर को घेर, मुखिया = सहलौत, गाँव = फालिया
अनाज की कोठियाँ = सोहरी, आदर्श पक्षी - मोर

» सौन्दर्य वृद्धि के लिए गोदने गुदवाने की प्रथा है।
» इनके प्रिय वाद्य: बासुरी नगाड़ा, अलगोजा
» मुख्य नृत्य: लूर, वालर, कूंद, मांदल, गौर, ज्वारा, मोरिया

» आबू रोड का भाखर क्षेत्र गरासियों का मूल प्रदेश माना जाता है।
वैसे - बाहुल्य - आबूरोड एवं पिंडवाड़ा तहसील में उदयपुर की गोगुन्दा तथा कोटड़ा एवं पाली की बाली तहसील में गरासिया जनजाति का बाहुल्य है।

= भील गरासिया = यदि कोई गरासिया पुरुस किसी भील स्त्री से विवाह करता है तो ऐसे परिवार या दम्पत्ती को भील गरासिया कहते है।

= गमेती गरासिया = यदि भील पुरुष किसी गरासिया स्त्री से विवाह कर लेता है तो इस प्रकार के परिवार को गमेती गरासिया कहते है।

= वेशभूषा - पुरुष = धोती, कमीज (झुलकी) फेंटा (साफा) हाथो में - मादली, गले मे पत्रला, हंसली कानों मे मुकिया पहनते है।

= स्त्रियां = लाल घाघरा, झूलकी व ओढ़नी, हाथीदांत चूड़ा कुंआरी लड़कियां - लाख की चूड़ियां सिर पर चांदी का बोर, कानो में डोरणे व टोटी बालों मे दामणी (झेले) नाक में कांटा (नथ) हाथो में धातु की गुजरी, पैरो में कड़ुले, श्रृंगारिक प्रिय

= सहरिया जनजाति =

- सर्वाधिक पिछड़ी जनजाति, सरकार ने राजस्थान की
- एकमात्र इसी जनजाति को आदिम जनजाति में रखा।
- यह सर्वाधिक बारां जिले के किशनगंज एवं शाहबाज तहसील एवं कोटा के कुछ क्षेत्र में भी।
- सहरिया जनजाति एक वनवासी जनजाति है।

= गांव - सहरोल, बस्ती - सहराना, मुखिया - कोतवाल

= झोंपडी = टापरियां / बंगला / गोपना / टोपा / कोरूआ

= आदिगुरु = वाल्मीकि, मुख्य देवता = तेजाजी, कुलदेवी - कोडिया

= धारी संस्कार का प्रचलन - जो पुनर्जन्म का विश्वास करते है।

=> शिकारी नृत्य इसमें प्रसिद्ध है। लंहगी नृत्य भी प्रसिद्ध है।

⇒ मुख्य मेले : सीताबाड़ी मेला (बारां) ज्येष्ठ अमावस्या को जिसे सहरियों का कुम्भ कहा जाता है।
कपील धारा (मेला) बारां में भरा जाता है।

⇒ सहरिया के घरों को टापरी कहा जाता है।
सहरिया शिकार भी निर्भर रहे जाते है।
⇒ मिट्टी व गोबर से कलात्मक कोठिया बनाते है।
छोटी कोठी को कुसिला, आटे की कोठी को भडेरी कहा जाता।
⇒ सर्वाधिक बारां में - (108520) न्यूनतम - दौसा.नागौर.बाड़मेर (0)

। डामोर जनजाति ।

- सर्वाधिक डुंगरपुर जिले की सीमलवाड़ा पंचायत, (बांसवाड़ा) में
- गांव की छोटी इकाई : फला, मुखिया - मुखी
- इनमें पुरुष भी स्त्रियों के समान गहने पहनते है।
- इनमें गुप्त विवाह निषेध है (माना जाता है)
- प्रमुख मेले - ग्यारस की रेवाड़ी मेला (डुंगरपुर)
छैला बावजी का मेला (पंचमहल - गुजरात)
⇒ डामोर में एकाकी परिवार में रहने की प्रथा।

⇒ मुख्य व्यवसाय कृषि है, यह जनजाति कभी भी वनों पर आश्रित नही रही।
⇒ डामोर गुजरात राज्य के प्रवासी होने के कारण स्थानीय भाषा के साथ-साथ गुजरात भाषा का भी प्रयोग करते है।
⇒ डुंगरपुर की सीमलवाड़ा पंचायत मे सर्वाधिक डामोर होने के कारण इस क्षेत्र को डामरिया क्षेत्र भी कहा जाता है।

→ सर्वाधिक डामोर डुंगरपुर (56352) जनसंख्या
न्यूनतम - धौलपुर, करौली (0) संख्या

कथौडी जनजाति

राजस्थान मे सर्वाधिक उदयपुर व डूंगरपुर जिले में एवं मूलत: यह महाराष्ट्र की जनजाति

मुख्य प्रचलन: पति पत्नि साथ बैठकर शराब पीते।

- स्त्रियाँ मराठी अंदाज में साड़ी पहनती है जिससे 'फड़का' कहते।
- मुख्य कार्य: खेर के पेड़ो से हांडी प्रणाली से कत्था तैयार करना।
- इनके दल का नेता – नायक कहलाता है।
- बंदर का मांस ये बड़े चाव से खाते है।

- कथौडी जंगलो व पहाड़ो में रहने वाली ऐसी जनजाति है जो अस्थायी व घुमन्तु जनजाति है।
- स्त्रियो मे गहना पहनने का कोई रिवाज नही है।

- प्रमुख परम्परागत देवता: डूंगरदेव, वाघदेव, गामदेव भारी माता एवं कन्सारी देवी है।

- नृत्य: होली नृत्य - होली अवसर पर महिलाओं द्वारा
  वाद्य यंत्र- ढोलक, पावरी, घोरिया, बांसली
  मावलिया नृत्य: पुरुषो के समूह द्वारा नृत्य देवी-देवताओं के गीत के साथ ढोलक, टापरा, व बांसुरी की लय पर नृत्य एवं गीत।
- कथौडी जनजाति मे शव का दाह संस्कार नही करते एवं शव को दफनाया जाता है।
- इसमे दूध का प्रयोग बिल्कुल नही करते है।
- कथौडी जनजाति घास-फूंस से बनी झोपड़ियों में निवास करती, जिसे खोलरा कहा जाता है।

कंजर जनजाति

- घुमक्कड़ व खानाबदोश जनजाति है
- कंजर जाति सर्वाधिक हाड़ौती क्षेत्र (कोटा में)
- इनके मुखिया को पटेल कहा जाता है।

- व्यक्ति के मरते समय मुंह में शराब की कुछ बून्दे डालते है। तथा मृतक को गाड़ते है।

- कुलदेवी - चौथमाता (चौथ का बरवड़ा) सवाईमाधोपुर हनुमान जी पूजक है। आशीर्वाद लिया करते है जब ये अपराध करने के लिए जाते > इसे पांती मांगना कहते है

- हाकम राजा का प्याला लेकर कभी झूठ नही बोलते।
- चकरी नृत्य महिलाओ द्वारा किया जाता है।
- कंजर जाति मोर का मांस खाना पसन्द करती है।

सांसी जनजाति

सर्वाधिक = भरतपुर मे पाई जाती है।
उत्पति - सांसमल नामक व्यक्ति से मानी जाती है।
यह जनजाति बीजा व माला नामक दो उपजातियों में बंटी
ये हरिजनो को स्वयं से श्रेष्ठ मानते है।
→ इनमें कुकड़ी रस्म पाई जाती है।
→ इस जनजाति मे विधवा विवाह का प्रचलन नही है।
→ स्त्री को स्त्रीत्व की अग्नि परीक्षा देनी पड़ती है।
~~उपजाति~~
→ लोमड़ी व सांड का मांस खाना पसंद करते है। ऐसा कहा जाता है।
- इनके विवाह में तोरण या चंवरी नही बनाई जाती लकड़ी का खम्भा गाड़कर वर-वधू सात फेरे लेते है।

→ भील मीणा की सर्वाधिक जनसंख्या डूंगरपुर में
- पटेलिया की सर्वाधिक जनसंख्या - कोटा
- कोकना की सर्वाधिक जनसंख्या = जोधपुर
- नायकड़ा जनजाति की सर्वाधिक जनसंख्या = बीकानेर
- धानका एवं कोली ढोर सर्वाधिक जनसंख्या - जयपुर

→ आदिवासियों की कुलदेवी "केठसरी माता" मानी जाती है।

। अन्य - महत्वपूर्ण तथ्य।

→ भराड़ी - भीली जीवन में व्याप्त वैवाहिक भिति चित्रण की प्रमुख लोक देवी - भराड़ी के नाम से जानी गई। जिस घर में भील युवती का विवाह हो वहां भराड़ी का चित्राम जंवाई द्वारा बनाया जाता है। ये कुशलगढ़ में मुख्यत प्रचलित है।

→ लोकाई - आदिवासियों में मृत्यु पर जो भोज दिया जाता है। उसे कांदिया या लोकाई कहते है।

→ नातरा | ~~[illegible]~~ प्रथा - विधवा स्त्री का पुनर्विवाह आदिवासियों में नातरा कहलाता है।

→ नाता | झगड़ा राशि = जब कोई व्यक्ति दूसरे की स्त्री को भगाकर ले जाने या स्वयं स्त्री अपने पति को छोड़कर दूसरे के साथ चली जाती है उसे नाता कहते है और जो पुरुष नवविवाहित पुरुष से राशी लेता है झगड़ा राशी।

→ हमेलो - जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग एवं माणिक्यलाल वर्मा शोध संस्थान द्वारा आयोजित आदिवासी लोकानुरंजन मेला (उदयपुर)

→ वार = मारु ढोल द्वारा लोगों तक सन्देश पहुंचाया जाता है यह विपत्ति का प्रतीक होता है और सहयोग या लड़ने हेतु सभी तैयार रहते है।

RAJASTHAN CLASSES

पीडीएफ के कसी भी भाग पर क्लिक करने पर आपको youtube क्लास मल जाएगी

सभी पीडीएफ निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी
पीडीएफ को ज्यादा से ज्यादा शेयर जरुर करें
आपके हित में सदैव तत्पर : आदर्श कुमावत
राजस्थान क्लासेज : 8107670333

राजस्थान क्लासेज के साथ जुड़कर अपनी तैयारी को पंख दीजिये और वर्षानुसार बनी प्ले लस्ट से पढ़कर अपनी तैयारी बेहतर करें

टेलीग्राम website व youtube ज्वाइन करने के लए आइकॉन पर क्लिक करें

YouTube

- **Rajasthan Gk PDF- क्लिक करे**
- **Hindi Test Quiz – क्लिक करे**
- **HINDI NOTES - क्लिक करे**
- **RAJASTHAN GK NOTES - क्लिक करे**

- **INDIA GK TOP QUIZ– क्लिक करें**
- **RAJASTHAN GK QUIZ – क्लिक करे**
- **GENERAL SCIENCE– क्लिक करें**
- **HINDI SAMAS VIDEO– क्लिक करे**

GK/GS टॉप 1000 प्रश्न –
Download Now

राजस्थान GK हस्त ल खत नोट्स
DOWNLOAD NOW

भारत सामान्य ज्ञान टेस्ट-शुरू करे

RAJASTHAN GK E-BOOK - DOWNLOAD

RAJASTHAN GK TEST–START NOW